

लहि अव्य. (देश.) तक, पर्यंत।

लहीम वि. (अर.) 1. मांसल 2. मोटा ताजा 3. हृष्ट-पुष्ट।

लहु वि. (तद्.) 1. छोटा 2. अल्प, थोड़ा अव्य. 1. पर्यंत, तक 2. धीरे-धीरे।

लहुरा वि. (देश.) उम्र में छोटा, कनिष्ठ।

लहू पुं. (तद्.) शरीर के अंदर का रक्त, खून, रुधिर
मुहा.- लहू का प्यासा होना- शत्रुतावश किसी के प्राण तक लेने की चाह होना; लहू पीना- किसी को बहुत अधिक तंग करना; लहू सफेद हो जाना- दया का न रहना।

लहू-लुहान (देश.) 1. खून से तर-बतर 2. चोट या क्षत आदि के कारण जिसका शरीर लहू से भर गया हो।

लहेरा पुं. (देश.) 1. लाख की चूड़ियाँ आदि बनाने या लाख का रंग चढ़ाने वाला 2. रेशम रँगने वाला रंगरेज 3. एक सदा बहार पेड़ जिसकी लकड़ी सुंदर व मजबूत होने के कारण मेज, कुर्सेयाँ आदि बनाने में प्रयुक्त होती है।

लहेसना स.क्रि. (देश.) 1. लेसना, चिपकाना 2. पलस्तर करना 3. बरतन ढालने के लिए साँचे के पल्लों को बैठाना।

लह्न पुं. (अर.) 1. स्वर, आवाज 2. मधुर स्वर 3. गाने वाली धुन।

लांगूली पुं. (तत्.) 1. बंदर 2. ऋषभ नामक औषधि।

लांसनायक पुं. (अं.) 1. अश्वारोही सैनिक या अश्वारोही सैनिकों का नायक 2. सेना में सैनिक का एक पद।

लॉक पुं. (अं.) दरवाजे, संदूक आदि में लगाये जाने वाला ताला। lock

लॉक स्त्री. (तद्.) 1. खेत में ताजी काटी गई फसल 2. भूसा।

लॉग स्त्री. (तद्.) लँगोट या पहनी हुई धोती का वह छोर जिसे जाँघों के मध्य से निकालते हुए कमर के पीछे बाँधा जाता है, काछ।

लॉगल पुं. (तत्.) 1. खेत जोतने का हल 2. ताड़ का पेड़ 3. जहाज या नाव का लंगर 4. एक प्रकार का पौधा तथा उसके पुष्प 5. शिशन 6. शुक्ल पक्ष में चाँदका आधा उठा हुआ शृंग (दोनों नुकीले सिरे) 7. फल तोड़ने का लगगा 8. एक प्रकार का चावल।

लॉगलक पुं. (तत्.) सुश्रुत के अनुसार हल की आकृति का वह चीरा जो भगंदर रोग में लगाया जाता है।

लॉगलचक्र पुं. (तत्.) ज्यो. ज्योतिष में हल के आकार का एक विशेष चक्र जिसकी सहायता से कृषि का शुभाशुभ फल पर विचार किया जाता है।

लॉगल दंड पुं. (तत्.) हरिस, हल का एक अंग।

लॉगल-ध्वज पुं. (तत्.) बलराम।

लॉगलि पुं. (तद्.) 1. कलियारी नाम का जहरीला पौधा 2. गजपीपल 3. केवाँच 4. पिठवन 5. मँजीठ 6. जलपीपल 7. ऋषभक नामक अष्टवर्ग की औषधि 8. महाराष्ट्री लता।

लॉगलिक पुं. (तत्.) एक तरह का स्थावर विष वि. हल संबंधी।

लॉगलिका स्त्री. (तत्.) ओषध के रूप में प्रयोग की जाने वाली कलियारी आदि ओषधियाँ।

लॉगली पुं. (तत्.) 1. बलराम 2. नारियल 3. साँप स्त्री. 1. कलियारी 2. मंजिष्ठ 3. केवाँच 4. जलपिप्पली 5. गजपीपल 6. पिठवन 7. चव्य 8. एक नदी।

लॉगा पुं. (देश.) लहँगा।

लॉगूल पुं. (तत्.) 1. पूँछ, दुम 2. पुरुष का लिंग, शिशन।

लॉघन स्त्री. (देश.) 1. लांघने या लांघे जाने की अवस्था, क्रिया या भाव 2. वह स्थिति जब कोई चीज या जगह किसी ने लांघी हो।

लॉघना स.क्रि. (देश.) 1. डग भरकर या छलांग लगाकर किसी जगह को पार कर जाना, डौंक जाना, लांघना 2. डौंक भरकर किसी खाद्य